

---

# Shrimad Shankaracharya Stotram

---

## श्रीमद्शङ्कराचार्यस्तोत्रम्

---

### Document Information

---

Text title : Shrimad Shankaracharya Stotram

File name : shankarAchAryastotram.itx

Category : deities\_misc, gurudev, shrIdharasvAmI, stotra, panchaka

Location : doc\_deities\_misc

Author : Shridharasvami

Description/comments : shrIdharasvAmI stotraratnAkara

Acknowledge-Permission: Upendra Shripad Dasare, <https://shridharamrut.com>

Latest update : November 8, 2022

Send corrections to : [Sanskrit@cheerful.com](mailto:Sanskrit@cheerful.com)

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

November 13, 2022

*sanskritdocuments.org*

---

श्रीमद्शङ्कराचार्यस्तोत्रम्



(पृथ्वीवृत्तम् )

नसन्नसदसत्तथानचभवेदसद्यततत्  
नसत्वमपिनोरजोनचतमोनमायातथा ।  
श्रुतौविततवस्तुयत्परमहोऽद्वयं कीर्तितम्  
नमामि तमहङ्गुरुप्रणतवत्सलं शङ्करम् ॥ १ ॥

नयत्स्फुरतिवा भवेत्स्फुरणमप्यहो यत्रतत्  
शिवोषमथजीवकोषमितिवाऽपिसोषन्तथा ।  
चिदेकरसमद्वयं विततनिर्विकल्पं शुभम्  
नमामि तमहङ्गुरुप्रणतवत्सलं शङ्करम् ॥ २ ॥

अचिन्त्यभवनाशिकाप्रणतभक्तहृत्तापहा  
सदैवकरुणालयाभवतियस्यभक्तिःशिवा ।  
स्वतःप्रभपनामयं सकलभासकञ्चाद्वयम्  
नमामि तमहङ्गुरुप्रणतवत्सलं शङ्करम् ॥ ३ ॥


नयत्रकरणञ्चनोकिमपिकर्यमिषत्तथा  
नयत्रकथमप्यहोविकृतिमच्चदुःखास्पदम् ।  
सदैवसुसमाहितं विगतकल्मषञ्चित्सुखम्  
नमामि तमहङ्गुरुप्रणतवत्सलं शङ्करम् ॥ ४ ॥

दिवानरजनीतथाकिमपियत्रसुर्यादिकम्  
नयस्यजननन्तथामृतरपिस्वतो निर्मलम् ।  
स्वपूर्णनिजरूपकं सकलमङ्गलानाम्परम्  
नमामि तमहङ्गुरुप्रणतवत्सलं शङ्करम् ॥ ५ ॥


॥ इति श्रीमत् परमहंसपरिव्राजकाचार्य सद्गुरु भगवता  
श्रीधरस्वामिना विरचितं श्रीमद्शङ्कराचार्यस्तोत्रं सम्पूर्णम् ॥

रचनास्थलमः काँही उद्यानवन चिक्कमङ्गळूर  
रचनाकालः कार्तिक पौर्णिमा शके १८६५

---

——  
*Shrimad Shankaracharya Stotram*

pdf was typeset on November 13, 2022

——  
Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

